

हम हार के अपनों से बाबा दर पे आए है भजन लिरिक्स



हम हार के अपनों से,
बाबा दर पे आए है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनों से,
बाबा दर पे आए है।bd।

तर्ज - एक प्यार का नगमा है।

सब मतलब से बाबा,
रिश्तों को निभाते है,
एक ऐसी बीमारी ये,
अंधे बन जाते है,
अपनों से छल करते,
उन्हें निचा गिराते है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनों से,
बाबा दर पे आए है।bd।

एक ऐसा समय भी था,
सब संग में रहते थे,
सुख दुःख सारे मिलकर,
बांटा किया करते थे,
लालच में वो घिरकर के,
हमें आँख दिखाते है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनों से,
बाबा दर पे आए है।bd।

ये ऐसा कलयुग है,
जहाँ छल और बस छल है,
तेरा प्रेमी भी बाबा,
इसकी चंगुल में है,
'निखिल' हारे बैठा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



Bhajan Diary Lyrics,

गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनो से,
बाबा दर पे आए है।bd।

हम हार के अपनों से,
बाबा दर पे आए है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनो से,
बाबा दर पे आए है।bd।

Singer – Nikhil Goel
